डॉ० संगीता राय
संस्कृत विभाग
एच० डी० जैन कॉलेज, आरा

ग्रासमान नियम :

हेर्मान ग्रासमान जर्मन विद्वान् हैं। इन्होंने ग्रिम-नियम को संशोधित किया और उसकी त्रुटियों का निराकरण किया। निम्नलिखित उदाहरणों में ग्रिम-नियम के अनुसार ब् को प् और द् > त् होना चाहिए था, परन्तु गाथिक में भी ब् और द् ही मिलते हैं।

संस्कृत	गाथिक
बोधति	13iudan, बिउदान
दभ्	Daubs, दाउब्स

प्रो० ग्रासमान ने संस्कृत और ग्रीक भाषाओं की परीक्षा करने पर यह पता लगाया कि —

संस्कृत और ग्रीक भाषाओं में दो अव्यवहित सोष्म ध्वनियों में से सामान्यतया प्रथम ऊष्म ध्वनि (ह् ध्वनि) निकल जाती है। जहाँ पर द्वितीय वर्ण से ऊष्म ध्वनि निकलती है, वहाँ पर प्रथम वर्ण में ऊष्म ध्वनि आ जाती है।

इस आधार पर यह कल्पना की गई कि मूल भारोपीय भाषा में दो अक्षरों वाली ऐसी धातुओं में दो महाप्राण ध्वनियाँ थीं। उनमें से साधारणतया प्रथम ऊष्म ध्वनि (ह् ध्वनि) निकल जाती थी और द्वितीय वर्ण से ऊष्म ध्वनि निकलने पर वह प्रथम वर्ण में पुनः आ जाती थी।

इस कल्पना का आधार प्रायः इस प्रकार था –

1. धा > धधामि > दधामि, पहले ध् को द्, ह् ध्वनि हटी।

2. भृ > भभार > बभार, पहले भ् को ब, ह् ध्वनि हटी।

3. बुध् > भुत्, बुधौ, भुत्सु। बुधौ में पहले वर्ण से ऊष्म ध्वनि हटी है। भुत्, भुत्सु में द्वितीय वर्ण ऊष्म ध्वनि हटी है, अतः ब् > भ् हो गया। अतः मूल धातु 'भुध्' है।

4. दुह् (मूल धातु, धुघ्) > धुक्, दुहौ, धुग्भ्याम्, धुक्षु

इस प्रकार बुध् > भुध् और दभ् > धभ् धातु हैं। मूल 'भुध्' और 'धभ्' धातु मानने पर भुध् से संस्कृत में बुध् धातु हुई और ग्रिम नियमानुसार भ् > ब् होने से Biudan बना। इसी प्रकार मूल धातु 'धभ् > दभ्' और गाथिक में ध > द् होने से Daubs बना। ग्रीक भाषा में भी प्रायः ऐसे उदाहरण मिलते हैं।

— x —